बीएचईएल ने बहुआयामी परिवर्तन रणनीति की शुरुआत की; तेज़ी से बदलते कारोबारी माहौल की चुनौतियों को अवसरों में बदलने पर ध्यान केंद्रित

नई दिल्ली, 29 जनवरी: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने कंपनी को फ्यूचर-रेडी ग्लोबल इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशन बनने की राह पर लाने के उद्देश्य से 2020 को 'परिवर्तन का वर्ष' घोषित किया है। इस दिशा में, इसने कई व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक बहुआयामी परिवर्तनकारी रणनीति आरंभ की है । यह वर्तमान में - थर्मल पावर उपकरणों के लिए अपने पारंपरिक बाजार में गिरावट सहित विघटनकारी प्रौद्योगिकी विकास और ग्राहको की बढ़ती हुई कड़ी-से-कड़ी आवश्यकताओं का सामना कर रहा है। इसके साथ, कंपनी का लक्ष्य मौजूदा चुनौतियों को भविष्य के अवसरों में बदलना है।

अपनी पांच दशकों की यात्रा में, भारत के औद्योगिक विकास में बीएचईएल का अहम योगदान रहा है। वर्तमान में, देश में उत्पादित विद्युत का 50% से अधिक बीएचईएल द्वारा निर्मित विद्युत उत्पादक उपकरणों (थर्मल, हाइड्रो, परमाणु और गैस आधारित उत्पादन सहित) से मिलता है। कंपनी ने रक्षा, एयरोस्पेस, परिवहन आदि जैसे मुख्य क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परिवर्तन की रणनीति के एक भाग में, कंपनी ने प्रक्रियाओं की समीक्षा करने और सुधारने, व्यापार मॉडल को नया स्वरूप देने, नए बाजारों / व्यवसायों में विस्तार करने और सभी स्तरों पर एक मजबूत नेतृत्व पाइपलाइन के साथ एक प्रतिबद्ध कार्यबल विकसित करने का काम किया है। विशिष्ट रणनीतिक पहल, गुणवत्ता, परियोजना निष्पादन, लागत में कमी, विविधीकरण, डिजिटल सक्षमता, प्रौद्योगिकी उन्नयन पर फोकस कर रही है।

कॉरपोरेट कार्यालय में स्थापित 'परिवर्तन कार्यालय' के माध्यम से इन पहलों का समन्वय और निगरानी की जा रही है।

गुणता: कंपनी ने हाल ही में विश्व स्तरीय उत्पाद और सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुणवत्ता संस्कृति को मजबूत करने के उद्देश्य से पूरी कंपनी में एक कंपनी 'क्वालिटी फर्स्ट' पहल शुरू की है। इसके लिए सभी स्तरों पर गुणवत्ता प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए एक विस्तृत रोडमैप रखा गया है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि 1970 के दशक के बाद से बीएचईएल तत्कालीन अत्याधुनिक गुणवत्ता और व्यावसायिक उत्कृष्टता प्रक्रियाओं को अपनाने में देश में गुणवत्ता आंदोलन का अग्रणी रहा है और इसने कई गुणवत्ता पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वर्तमान प्रयोग आगे इस इतिहास का निर्माण करेगा और संगठनात्मक उत्कृष्टता को विकसित करने की दिशा में एक कदम के रूप में नवीनतम गुणवत्ता प्रक्रियाओं और पहलों को लागू करेगा।

परियोजना निष्पादन क्षमताओं में सुधार परियोजना में देरी को रोकने और एक अग्रणी परियोजना निष्पादन संगठन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से एक और बड़ी पहल है। इस पहल के तहत, लंबी अवधि के लिए ईपीसी उत्कृष्टता हेतु कई कदम उठाए गए हैं, जिसमें रियल-टाइम प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग के लिए 'इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (आईपीएमएस)' के कार्यान्वयन सहित साइटों पर सुचारु निर्माण कार्य में सहायक सप्लाई चेन को सुव्यवस्थित

करना, प्री-इंजीनियरिग गतिविधियों को मजबूत करना, आदि हैं । कंपनी ने आगे, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन, विनिर्देशों और खरीद प्रक्रियाओं की समीक्षा की है।

कंपनी की दो प्रचलित उत्पाद रणनीतियां: क) निष्पादन में उत्कृष्टता, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता, पुर्जों और सेवाओं / उन्नत प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करना और ख) नए विकास क्षेत्रों में विविधता लाने के लिए नए विकास क्षेत्रों की पहचान करने और उसी के लिए एक प्रमुख परामर्श एजेंसी को नियुक्त करके रणनीति विकसित करने पर केंद्रित है। समानांतर रूप से, कंपनी रक्षा और एयरोस्पेस, जल, ई-गतिशीलता, बैटरी, नवीकरण और परिवहन कार्यक्षेत्र में हाल की पहलों को मजबूत और सुदृढ़ कर रही है।

कंपनी के वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए, कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले विशिष्ट मुद्दों को उठाने के लिए कई क्रॉस फंक्शनल टीमों के साथ नकदी प्रबंधन पर जोर दिया जा रहा है। इन प्रयासों की सफलता पहले से ही बेहतर नकदी संग्रह, अनुबन्धो के पूरा होने, सामूहिक संपत्ति में अनुबंध परिसंपत्तियों का रूपांतरण, लंबे समय से लंबित मामलों के बंद होने, आदि में दिखाई दे रही है।

डिजिटल सक्षमता कंपनी के लिए एक और महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है। इस दिशा में की गई / की जा रही विभिन्न पहलों में वास्तविक समय परियोजना की निगरानी के लिए आईपीएमएस की स्थापना, तेजी से निर्णय लेने और फाइल प्रसंस्करण के लिए ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के साथ-साथ विनिर्माण की एंड-टू-एंड मॉनिटरिग के लिए कई ईआरपी प्लेटफार्मों का एकीकरण, संगठन की समग्र दक्षता में सुधार के लिए परियोजना निष्पादन और संबंधित प्रक्रियाएं शामिल है।

बीएचईएल, पारंपरिक रूप से, अग्रणी संस्थानों के स्नातकों के लिए एक पसंदीदा नियोक्ता रहा है। यह अपनी सफलता की रीढ़ और आधारशिला के रूप में कर्मचारियों पर और अधिक फोकस कर रहा है। इस दिशा में, कर्मचारी विकास और सहभागिता को विभिन्न मानव संसाधन प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा और सुधार के माध्यम से लक्षित किया जा रहा है। निष्पादन प्रबंधन प्रणाली को प्रदर्शन और पुरस्कारों के करीबी संरेखण के लिए भी नया रूप दिया गया है।

पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के प्रति एक प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट नागरिक होने के अपने दर्शन के अनुरूप, बीएचईएल अपनी आवासपुरियों को मॉडल / स्मार्ट आवासपुरियों में बदल रहा है। बीएचईएल की आठ आवासपुरियों को पहले से ही सिगल यूज प्लास्टिक फ्री आवासपुरियों के रूप में प्रमाणित किया जा चुका है और अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, आदि के क्षेत्र में अनेक पहलें की जा रही हैं।

कई प्रयासों की निगरानी और समीक्षा शीर्ष स्तर पर की जा रही है और बदलती आवश्यकताओं के अनुसार समय-समय पर अद्यतन / संशोधित की जाती है। इस प्रयास से कंपनी को मौजूदा चुनौतियों के साथ-साथ आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए खुद को बदलने में सक्षम होने और वैश्विक उपस्थिती के साथ एक प्रमुख इंजीनियरिग संगठन के रूप में उभरने और आने वाले समय में देश के विकास के प्रयासों को केंद्र स्तर पर जारी रखने की उम्मीद है।